भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड

सेक्टर- 19 बी, चण्डीगढ़ 160019

भाखड़ा और पौंग जलाशय की भराई अवधि क्रमशः 21 मई और 21 जून से आरम्भ होती है और 20 सितम्बर को समाप्त होती है। आज दिनांक 12.8.2010 को भाखड़ा का जलस्तर पिछले वर्ष के इसी दिन के जलस्तर 1591.74 फीट की तुलना में 1650.60 फीट है। बोर्ड द्वारा अनुमोनित दिशानिर्देशों के अनुसार भाखड़ा जलाशय को अधिकतम 1680 फीट तक भरा जा सकता है। इस बात की अनुमति भी है कि यदि बाढ़ आए तो जलाशय स्तर 1680 फीट से थोड़ा बढ़ा लिया जाए और बाढ़ को संयमित करने हेतु अतिरिक्त पानी जमा किया जाए। वर्तमान में 70,000 क्यूसेक्स पानी का बहाव (inflow) भाखड़ा में आ रहा है और सभी टरबाइनें दिन-रात चल रही हैं। इससे जलाशय का स्तर लगभग 2 फीट प्रतिदिन बढ़ेगा। यदि अगले 15 दिन से अधिक लगातार यही स्थिति बनी रहती है तो पानी की कुछ मात्रा (inflow पर आधारित) टरबाइनों के अतिरिक्त अन्य स्रोतों अर्थात स्पिलवे से छोड़ना पड़ सकता है। यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि स्पिलवे से पानी छोड़ना कोई चिन्ता की बात नहीं है बल्कि पानी के आन्तरिक (inflows) और बाहरी बहाव (outflows) को नियमित करने की यह एक नियमित प्रक्रिया है। पिछले 40 वर्षों में से 15 वर्षों यथा 1973, 1975, 1978, 1980 से 1983, 1988, 1990 से 1993, 1995, 1998 और 2008 में स्पिलवे से पानी छोड़ा गया है।

भाखड़ा को वर्षा ऋतु के दौरान अधिकतम जल संरक्षित करने हेतु डिजाइन किया गया है ताकि आगामी वर्ष की न्यून (lean) अवधि के दौरान पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। बोर्ड ने दिनांक 28.7.1990 को आयोजित 139वीं बैठक में जलाशयों की भराई के लिए दिशानिर्देश अनुमोदित किए हैं। इन दिशानिर्देशों के अनुसार जलाशय को 1680 फीट तक भरा जा सकता है और शेष को बाढ़ संतुलित (flood moderation) करने के लिए छोड़ा जा सकता है। यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि 1680 फीट खतरे का निशान नहीं है बल्कि यह एक निर्धारित स्तर है जहां तक जलाशय भरा जा सकता है और बाढ़ का पानी अवशोषित (absorb) करने हेतु 1680 से 1690 फीट के बीच की क्षमता को संरक्षित (reserve) रखा गया है। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्यों को अगस्त, 2010 की शेष अवधि के लिए अपनी पानी की अधिकतम संभव मांगों का उपयोग/दर्शाने की अनुमति दी गई है।

पौंग डैम का जलाशय स्तर आज दिनांक 12.08.2010 को पिछले वर्ष के इसी दिन के 1312.67 फीट की तुलना में 1342.54 फीट है। बीबीएमबी द्वारा अनुमोदित दिशा-निर्देशों के अनुसार पौंग जलाशय को 1390 फीट से अधिक नहीं भरा जाना है। वर्तमान में पौंग डैम में लगभग 40,000 क्यूसेक्स प्रतिदिन अन्तर्वाह (inflow) है और लगभग शून्य

के बराबर पानी (750 क्यूसेक्स प्रतिदिन) छोड़ा जाता है। अतः जलस्तर केवल 1.75 फीट प्रतिदिन बढ़ रहा है। अतः यदि वर्तमान स्थिति लगातार बनी रहती है तो जलस्तर 1390 फीट के जल भण्डार स्तर तक नहीं पहुंच पाएगा।

यह सूचित किया जाता है कि स्थिति पूरी तरह नियत्रण में है और जलाशय परिचालन निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। चिंता की आवश्यकता नहीं है क्योंकि भाखड़ा में अभी भी बाढ़ को समा लेने की क्षमता है। भाखड़ा की अब भी 6.00 लाख क्यूसिक्स डेज़ (cs days) जल समा लेने की क्षमता बची हुई है। बीबीएमबी स्थिति पर कड़ी निगाह रखे हुए है और भागीदार राज्यों से लगातार सम्पर्क बनाए हुए है।

अच्छे अन्तर्वाह (inflow) को ध्यान में रखते हुए और आशानुरूप विद्युत उत्पादन करने के लिए भाखड़ा बांध की टरबाइनें 7 अगस्त, 2010 से लगातार चल रही हैं। चूंकि पौंग जलाशय का जल स्तर अभी कम है अतएव पौंग से लगभग शून्य (750 क्यूसेक्स) जल छोड़ा जा रहा है और राज्यों की आवश्यकताएं भाखड़ा के पानी से हरिके पर पूरी की जा रही है तथा जल को रंजीत सागर डैम से डाइवर्ट किया गया है। आज लगभग 11,000 क्यूसेक्स जल रोपड़ हैड वर्कस से हरिके को छोड़ा जा रहा है।